

(SPEED POST)
No. IFCI/RTI/1302/2024 - 2405 20014

Dated:20/05/2024

To,



Dear Sir,

Re: RTI Application bearing registration number IFCIL/R/E/24/00022 dated 24/04/2024 — Reply on behalf of IFCI Ltd. under the provisions of the RTI Act, 2005

- 1) Please refer to the aforesaid application filed under the provisions of the RTI Act, 2005.
- 2) In response to your query no.1 & 2, it is stated that various aspects governing the retiral benefits like pension and gratuity are governed by respective scheme documents. The documents pertaining to Pension Scheme are available on IFCI website. IFCI Gratuity Regulation, 1968 are attached.
- 3) In response to your query no.3 & 4, it is stated that information sought is so specific that it will lead to identification of officer(s) and therefore, information sought is personal in nature and hence, exempted under section 8(1)(h). Apart from being personal information, its disclosure has no relationship to any public activity or interest, and it would cause unwarranted invasion of the privacy of the individual, hence, the same cannot be shared.
- 4) The details of First Appellate Authority for preferring an appeal within a period of 30 days is Shri Atul Saxena, CGM, First Appellate Authority, IFCI Limited, IFCI Tower, 61, Nehru Place, New Delhi-110019.

(केंद्रीय लॉक सूचना अधिकारी, आईएफ़सीआई लिमिटेड)

आई एफ सी आई लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः

आईएफसीआई टावर, 61 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110 019

दूरभाषः +91-11-4173 2000, 4179 2800 फैक्सः +93-11-2623 0201, 2648 8471

वेबसाइटः www.ifciltd.com

सीआईएनः L74899DL1993GOI053677

IFCI Limited

Regd. Office:

IFCI Tower, 61 Nehru Place, New Delhi - 110 019

Phone: +91-4173 2000, 4179 2800 Fax: +91-11-2623 0201, 2648 8471

Website: www.ifciltd.com CIN: L74899DL1993GOI053677



भारतीय औद्योगिक वित्त निगम

Industrial Finance Corporation of India [ओद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) के अधीन निगमित]

[Incorporated under the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (XV of 1948)]

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (कर्मचारियों को उपदान संदाय) विनियम, 1968 Industrial Finance Corporation of India (Payment of gratuity to employees) Regulations, 1968 Industrial Finance Corporation of India

[Incorporated under the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (XV of 1949)]

Industrial Finance Corporation of India (Payment of Gratuity to Employees) Regulations, 1968:

In exercise of the powers conferred by Section 43 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (XV of 1948), the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India (hereinafter referred to as "Corporation"), after consultation with the Industrial Development Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby make the following Regulations, namely—

Short title and commencement.

- 1. (1) These Regulations may be called the Industrial Finance Corporation of India (Payment of Gratuity to employees) Regulations, 1968.
- (2) They shall be deemed to have come into fo ce on the 1st day of January, 1968.

Power to

2. The power to interpret these Regulations vests in the Chairman of the Corporation (which expression shall include the person appointed to discharge the functions of the Chairman for the time being in terms of Section 13A of the Industrial Finance Corporation, Act, 1948), who may authorise the issue of such administrative instructions as may be necessary to give effect to these Regulations.

Definitions

- 3. In these Regulations, unless there is anything repugnant in the subject or context—
- means the average of (a) the substantive pay applicable to him, as defined herein, (b) officiating pay, (c) special pay, (d) personal pay, and (e) any other emoluments classified as 'pay' by the Corporation;

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम [अग्रिगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का XV) के अधीन निगमित]

> भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (जर्मचारियों को उपदान संदाय) विनियम, 1968

आंदोगिक वित्त निगम अधिनयम, 1948 (1948 का XV) की धारा 43 हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय ओदोगिक वित्त निगम (जिसे आगे "निगम" कहा गया है) के निदेशक बोर्ड ने भारतीय ओदोगिक विकास बेंक से परामशं करने के बाद और भारत सुरकार के पूर्व अनुमोदन से एतद्दारा निम्नलिखित विनिगम यनाए हैं, जो इस प्रकार हैं :—

संक्षित नाम तथा प्रारम्भ

- (1) इन विनियमों को भारतीय औद्योगिक विक्त निगम (कर्मचारियों को उपरान संदाय) विनियम, 1968 कहा जाएगा।
 - (2) ये जनवरी, 1968 के पहले दिन से लागू माने जाएंगे।

निवंचन को शनित

2. इन विनिधमों के निवंचन की श्वित निगम के अध्यक्ष (इस अभिध्यक्षित में वह व्यक्ति भी श्रामिल होगा जो औद्योगिक वित्त निगम अधिनिषम, 1948 की भारा | 3क के अधीन कुछ समय के लिए अध्यक्षक कार्य निष्पादित परने के लिए निगुवत किया गया हो) में निहित होंगी जो इन विनिधमों को लागू करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक झनुदेश जारो करने का प्राधिकार देगा।

वरिभाषाएं

- 3. इन विनियमों में जब तक कोई बात विषय या संदर्भ के विरुद्ध न हो
 - (I) किसी कर्मचारी के संबंध में "ओसत देतन" का अर्थ है
 - (क) उस पर लागू मूल वेतन, जिसकी यहां व्याख्या की गई है. (ख) स्थानापरन वेतन, (ग) विशेष वेतन, (घ) वैयवितक वेतन, और (ङ) कोई अन्य परिलब्धियां जिन्हें निगम ने प्वेतन के रूप के रूप में वर्गीकृत किया हो,

- (2) "date of retirement" means-
 - (a) in the case of an employee who retires or is retired in accordance with the terms and conditions of his service, the date on which he so retires or is retired;
 - (b) in the case of any other employee, the date from which he ceases to be in the Corporation's service;

and the expression 'month of retirement' shall be construed accordingly.

- (3) "pay" means-
 - (a) in the case of an employee who has been on leave continuously for a period of twelve months or more immediately preceding his date of retirement, the substantive pay at such date or the average pay earned while on duty during the twelve calendar months immediately preceding the month in which he proceeded on leave, whichever is higher;
 - (b) in any other case, the substantive pay at his date of retirement or the average pay earned while on duty during the twelve calendar months immediately preceding the month of retirement, whichever is higher.
- (4) "substantive pay" means in relation to an employee, the pay to which he is entitled in the scale of pay applicable to the post held by him substantively.
- (5) "service in the Corporation"-
 - (a) includes the period of an employee's continuous temporary service immediately preceding his confirmation;

- (2) "सेवानिवृत्ति की तारीख" का अप है--1 25 . . . 19
 - (क) किसी ऐसे कमंचारी के मामले में जो उसकी सेवा की शतों के अन्तीन सेवानिवृत्त होता है, या सेवानिवृत किया जाता है, वह तारीस जिसको वह इस प्रकार से सेवानिवृत होता है या सवानिवृत्त किया जाता है; और
- 🏎 (छ) किसी अन्य कर्मचारी के मामले 💝 -व्ह तारील जिससे वह निगम की सेवा में नहीं रहता;

और "सेयानिवृत्ति का मास" अभिव्यक्ति का अर्थ भी इसी के अनुसार माना जाएगा । भूपना विशेष

- ्(3) "देतन" टा अप है—
 - (फ) किसी ऐसे कर्मचारी के मामले में जो अपनी सेवानिवृहित की तारील से ठीक पहले बारह महीने या इससे अधिक अवधि तक संगातार खुट्टी पर रहा ही, उस तारील की उसका मूल बेतन या जिस महीने वह पुट्टी पर गया हो उस महीने से ठीक पहले बारह कलंडर महीनों में उपूरी पर रहते हुए उसके द्वारा अजित औसत वेतन, दनमें से जो भी अधिक हो;
 - (ख) किसी लुन्य मामले में उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख की उसका मूल बेतन या सेवानिवृह्ति के महीने के ठीक पहले बारह कलंडर महोनों में ड्यूटी पर रहते हुए उसके दारा अजित बोसत वेतन, इनमें से को भी अधिक हो।
 - (4) किसी कर्मजारी के सम्बन्ध में "मूल वेतन" का अर्थ उस वेतन से है जो कर्मचारी धारित मूल पर से सम्बद्ध देतनमान में देतन प्राप्त करने का पात्र है।

 - (5) शनिगम में सेवा" में— । (क) किसी कमैवारी के तपुष्टीकरण से ठीक पहले की उसकी लगातार अस्थायी सेवा की अवधि शामिल है;

- (b) includes the period during which an employee is on duty or on leave duly authorised by a competent authority;
- (c) does not include any period during which an employee is absent from duty without permission or overstays his leave unless specifically permitted by a competent authority.

REPLATION 3(6) (New Rule)

Conditions of grant.

(6) "Dearness Allowance" means the allowance granted by the Corporation as dearness allowance to its employees at such rates and subject to such condition as may be determined by the Corporation from time to time.

ty to such person or persons as may be determined in accordance with Regulation 8; but nothing is these Regulation's shall be construed as conferring any right or benefit on any employee whose service in the Corporation is governed by a contract expressly stipulating his service to be for a specified period.

When hot adminsible.

- 5.(1) No gratuity will be granted to or in the case of an employee if he has not completed service in the Corporation for a minimum period of ten years;
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), gratuity will be grainted to, or in the case of, an employee who has not completed service in the Corporation for a minimum period of ten years, if—
- her dies while in service of the Corpo-
- (ii) he has retired; or has been required to retire, either on account of certified permanent lineapacity due to bodily or mental infirmity or owing to the abolition of his appointment on account of the region of reductions of establishment or

(अ) वह अविध शामिल है जिसके दौरान कोई कर्मचारी ड्यूटी ::...: वर रहा है अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत् प्राधिकत छंट्री पर रहा है:

्राप्ता पुरा पुरा पुरा प्राप्ता है। कि है जिसके दो प्राप्ति है। कि जिसके कि जिए जिसके कि जिए जिसके कि जि जिसके कि जि जिसके कि जि

3

दिए जाने को 4. अनुवर्ती विनियमों में दो गई पार्ती, निक्य में कि प्राप्ति वर विद्या कि स्थापित कर कि पूर्व कि सी स्थापित कर कि पार्टी की पित्य हो कि निक्री की पित्य हो कि निक्री की पित्य हो कि निक्री की स्थापित कि सी की पित्र कि सी की पार्टी की पार्ट

कब अनुज्ञेय नहीं 5. (1) किसी ऐसे कर्मचारो को या किसी ऐसे कर्मचारी के मामले में कोई उपदान नहीं दिया जाएगा जिसने निगम से स्थूनतम दस वर्ष की सेवा नहीं की है;

- (2) ज्याधिनियमं (1) में उत्तिलित किसी नंगत के होते हुए भी, किसी कर्मचारी को या किसी ऐसी क्रिमेंचारी के मामले, में जयदान दिया जाएगा जिसने निगमं से प्रमुक्तम दूस वर्ष की सेवा नहीं की है, दशर्त कि—
 - (i) निगम की सेवा के दौरान उसकी मृत्यु हो जाती है; या

(ii) शारीरिक अयवा मानिसक्त अश्वतता के फलस्वरूप प्रमाणित स्थापी अक्षमता के कार्यण वह सेवानिवृत्त ही जाता है या उसे सेवानिवृत्त होने के लिए कहा जाता प्रकारिक के क्षियां स्थापना भी किसी के कारण उसकी नियुक्ति समान्त कर दी जाती है। या (ii) his service in the Corporation is terminated by the Corporation for reasons other than reduction of establishment.

Amount admissible.

 Without prejudice to the provisions of Regulation 5, the amount of gratuity discissible to an employee shall be:

- (a) a sum equal to one month's pay of dearness allowance for each of completed year of service or part thereof in excess of six months of service in the Corporation subject to a maximum of Twenty month's pay plus dearness allowance or Rupees Three lakes fifteen thousand, whichever is less, and
- (b) an additional sum equal to half month's pay plus dearness allowance in respected of service in the Corporation or part thereof, in excess of six months of service over and above thirty years.

Payment of reduced amount in certain cases. 7. Notwithstanding anything contained in the foregoing Regulations, the Corporation may, while determine the amount of gratuity payable to an employe, take in to account any financial loss caused to the Corporation by reason of the inefficiency or misconduct of such employee, and grant a reduced amount of gratuity;

Provided that the difference between the amount of gratuity ordinarily admissible under the forgoing Regulations and the amount of gratuity soreduced shall not exceed the amount of the financial loss caused to the Corporation.

Payment in case of death of the Employee.

8. In the event of the death of an employee before receiptof gratuity, the amount of gratuity admissible shall be paid---

(a) the person who may have been nominated by the employee in terms of Regulation 15 of the Industrial Finance Corporation of India Imployees' Provident Fund Regulations and if there are more persons than one so nominated, the amount of gratuity shall be fistributed among such persons in the same proportion in which the employee has distibuted the amount standing to his credit in the Provident Fund; and

(iii) निगम से उसकी सेवा, स्थापना में कटौती करने से भिन्न अन्य कारणों से निगम द्वारा समाप्त कर दी जाती है।

अनुज्ञेय राशि

6. वितियम 5 के उपवाधी पर कोई प्रतिकृत प्रभाव डाले विना किसी कर्मचारी को अनुजेय उपवान की राणि इस प्रकार होगी—

ेक स्वाप्त के कि स्वाप्त के प्रति के स्वाप्त के स्वाप्

कुछ मामलों में घटी हुई राशि की अदायगी 7. पूर्ववर्ती विलियमों में उल्लिखित किसी बात के होते हुए भी, किसी 7. पूर्ववर्ती विलियमों में उल्लिखित किसी बात के होते हुए भी, किसी कमंचारी की देय उपदान की राणि का निर्धारण करते समय निर्धम उस कमंचारी की अदक्षता या कदाचार के कारण निर्धम को हुई किसी विलीय हानि को ध्यान में रख सकता है और उपदान की घटी हुई राणि दे सकता है;

परन्तु यह कि एवंवर्ती विनियमों के अधीन सामान्यतथा स्वीकार्य उपदान की राशि और इस प्रकार से घटाई गई उपदान की राशि का अन्तर निगम को हुई विस्तीय हानि की राशि से अधिक नहीं होगा।

क पंचारी की पृत्यु हो जाने की रियति में अदायगी 8. उपदान प्राप्त करने से पूर्व किसी कर्मचारी की मृत्युं हों जाने की स्थित में स्वीकार्य अपदान की राशि की अदायगी इस प्रकार की जाएगी-

(क) उस व्यक्तिकी जिसे कर्मचारी ने भारतीय औद्योगिक वित्त निगम कर्मचारी भविष्य निधि धिनियमी के धिनियम 15 के अधीन नामित किया हो और यदि एक से अधिक व्यक्ति इस प्रकार से नामित हों तो उन व्यक्तियों को उपदान की राशि उस अनुपात से बितरित की जाएगी जिस अनुपात में कर्मचारी ने अपनी भविष्य निधि में जमा राशि धितरित की हो; और

5

(b) If no such nomination has been made, or is subsisting, the person or persons to whom the amount of gratuity shall be paid and the proportion in which the amount shall be distributed among them, shall be determined by the Chairman of the Corporation.

Board's Powers in regard to grant of grant gratuity upto an amount not exceeding the amount admissible under these Regulations to any employee site coased to be a who may have coased to be in the corporation who may have coased to be in the service of the cased to be in the service of the grant of the service on or provided he would have been eligible for gratuity under these Regulations had these Regulations been in force on that day. been in force on that day.

(ख) यदि इस प्रकार का कोई मामाजन किया तथा या विस्तर । हो, सो निगम का अध्यक्ष इस बात का तिर्घारण करेगा कि उपदान की राशि किस व्यक्तिया किन व्यक्तियों को अदा की जाए और राशि किस अनुपात में वितरित् की जाए।

निगम के उन कमंचारियों की उपदान देने के सर्वस में तोई की शवितयां जो 1.7.1965 利 वा इसके बाद सेवा ग नहीं रहे

9. बोडं अपने स्व-विवेक से किसी ऐसे कमंचारों को उपदान की उतनी राशि दे सकता है जो इन विनियमों के अधीन अनुत्रेय राशि से अधिक नहीं होगी, जो जुलाई, 1965 के पहले दिन या इसके बाद निगम की सेवा में नहीं रहा, बंशत कि उस दिन यदि ये निनियम लागू होते तो वह इन विनियमों के अधीन उपदान का पात्र होता।